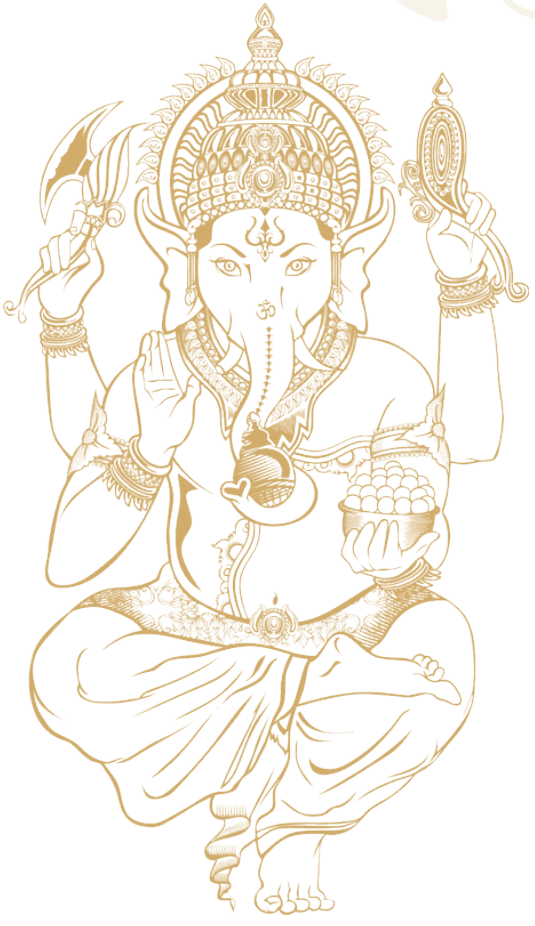

B?

30 May 2025

01:27 PM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121272021

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/05/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:27:00 घंटे**
इष्ट	20:09:11 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:06:44 घंटे
वेलान्तर	00:02:25 घंटे
साम्पातिक काल	05:39:05 घंटे
सूर्योदय	05:23:19 घंटे
सूर्यास्त	19:12:34 घंटे
दिनमान	13:49:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	14:57:31 वृष
लग्न के अंश	01:10:53 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	01:10:53	317:54:16	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			वृष	14:57:31	00:57:34	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	28:41:37	13:56:34	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कर्क	25:57:33	00:31:47	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध		अ	वृष	15:09:07	02:12:03	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	03:24:51	00:13:23	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	29:07:24	00:56:53	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	उच्च राशि
शनि			मीन	06:09:39	00:04:07	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	29:55:50	00:07:26	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	29:55:50	00:07:26	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:48:04	00:03:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:37:21	00:01:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	09:27:27	00:00:41	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	00:59:17	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:45

लग्न-चलित

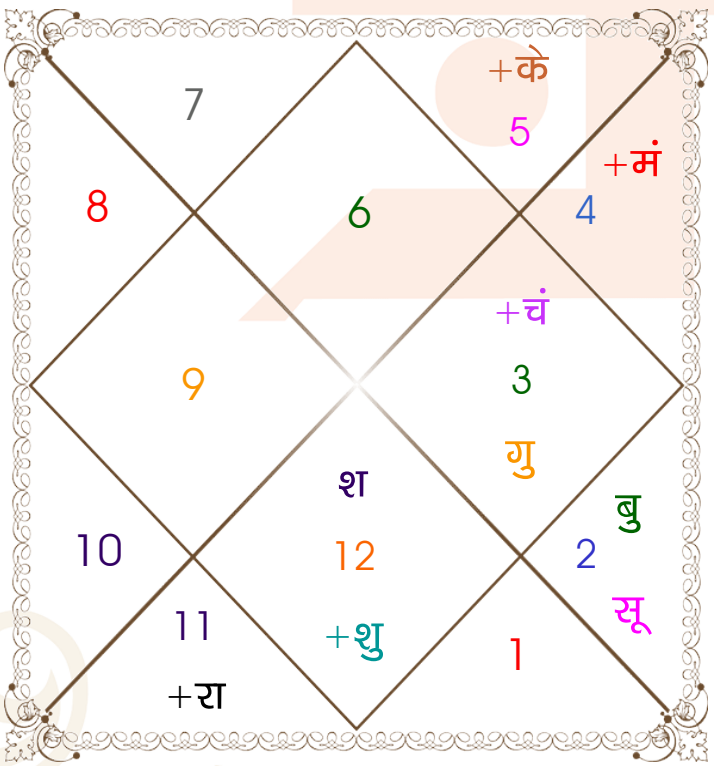

चन्द्र कुंडली

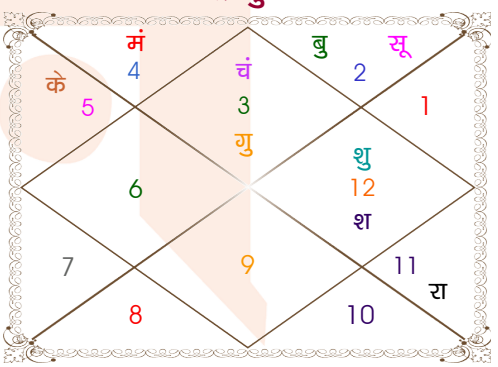

नवमांश कुंडली

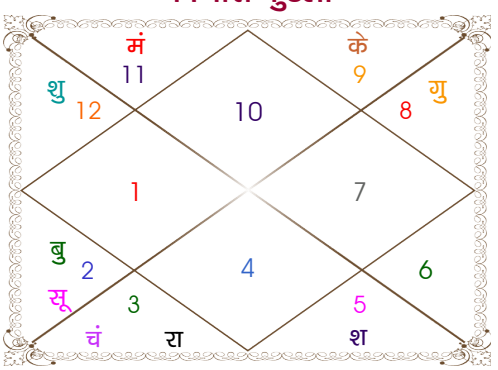

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 6 मास 24 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/05/2025		24/12/2030		23/12/2049		24/12/2066		23/12/2073	
24/12/2030		23/12/2049		24/12/2066		23/12/2073		23/12/2093	
	00/00/0000	शनि	26/12/2033	बुध	21/05/2052	केतु	22/05/2067	शुक्र	24/04/2077
	00/00/0000	बुध	05/09/2036	केतु	18/05/2053	शुक्र	21/07/2068	सूर्य	24/04/2078
	00/00/0000	केतु	14/10/2037	शुक्र	18/03/2056	सूर्य	26/11/2068	चंद्र	24/12/2079
	30/05/2025	शुक्र	14/12/2040	सूर्य	23/01/2057	चंद्र	27/06/2069	मंगल	22/02/2081
शुक्र	06/07/2025	सूर्य	26/11/2041	चंद्र	24/06/2058	मंगल	23/11/2069	राहु	23/02/2084
सूर्य	24/04/2026	चंद्र	27/06/2043	मंगल	21/06/2059	राहु	11/12/2070	गुरु	24/10/2086
चंद्र	24/08/2027	मंगल	05/08/2044	राहु	08/01/2062	गुरु	17/11/2071	शनि	23/12/2089
मंगल	30/07/2028	राहु	12/06/2047	गुरु	15/04/2064	शनि	26/12/2072	बुध	23/10/2092
राहु	24/12/2030	गुरु	23/12/2049	शनि	24/12/2066	बुध	23/12/2073	केतु	23/12/2093

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/12/2093		24/12/2099		24/12/2109		24/12/2116		25/12/2134	
24/12/2099		24/12/2109		24/12/2116		25/12/2134		00/00/0000	
सूर्य	12/04/2094	चंद्र	24/10/2100	मंगल	23/05/2110	राहु	06/09/2119	गुरु	11/02/2137
चंद्र	12/10/2094	मंगल	25/05/2101	राहु	10/06/2111	गुरु	30/01/2122	शनि	25/08/2139
मंगल	16/02/2095	राहु	24/11/2102	गुरु	16/05/2112	शनि	06/12/2124	बुध	30/11/2141
राहु	11/01/2096	गुरु	25/03/2104	शनि	25/06/2113	बुध	25/06/2127	केतु	06/11/2142
गुरु	29/10/2096	शनि	25/10/2105	बुध	22/06/2114	केतु	13/07/2128	शुक्र	31/05/2145
शनि	11/10/2097	बुध	26/03/2107	केतु	18/11/2114	शुक्र	14/07/2131		00/00/0000
बुध	18/08/2098	केतु	25/10/2107	शुक्र	18/01/2116	सूर्य	06/06/2132		00/00/0000
केतु	24/12/2098	शुक्र	25/06/2109	सूर्य	25/05/2116	चंद्र	06/12/2133		00/00/0000
शुक्र	24/12/2099	सूर्य	24/12/2109	चंद्र	24/12/2116	मंगल	25/12/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 7 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।